

पाठ्यक्रम मूल्यांकन के उद्देश (sourceess) समझें
आलोचना करें ? एवं

→ पाठ्यक्रम मूल्यांकन के जन मे उद्देश्य प्रयोजन एवं
उस प्रकारिक उद्देश आते, उस प्रकार प्रयोजन उद्देश गुण-

1) छिद्यार्थी (students) :- अब मेके सुझु सुपन उद्देश्य
उद्देश गुण छिद्यार्थीका, पाठ्यक्रमके
आडके लक्ष्यके आकार्य एवं की पाठिमाने अभयक उद्देश
उस प्रयोजन गुरुते से क्यारके अर्थम विचारक गुण
छिद्यार्थीका, उन्हे छिद्यार्थीका पाठ्यक्रम मूल्यांकन सुझु सुपन
उद्देश ।

2) छिद्यक (Teachers) :- छिद्यक जन ज्ञानि कसे पाठ्यक्रम
अच्छानर करेन, उद्देश्य
पाठ्यक्रमके उद्देश दिखे ओ सीमाबद्धता उद्देशलक्षि करेके पावेन,
उस अर्थमे छिद्यक जन अर्थमाने विषये पाठदान करेन ना,
अर्थमे उन्हे विषये अर्थमे अडीउठे, उद्देश्य ओ पाठ्यक्रम
मूल्यांकनके लक्ष्यके आकार्य करेके पावेन । उन्हे छिद्यकके
सु उद्देश बने स्या सु ।

3) विषय अडीउठे (subject expert) :- पाठ्यक्रम प्रयोजनके
जन उद्देश्यके उद्देश्य
अर्थमे अडीउठे व्यक्ति विषयके सुझु सुपन । उद्देश्य पाठ्यक्रम
के कालीन उद्देश्यके परिस्थिति समझके विषय अडीउठे
व्यक्तिके सतमत्त ओ सुझु सुपन । उन्हे अर्थमे विषयके विधिक
अडीउठे व्यक्ति पाठ्यक्रम मूल्यांकनके अर्थमे एक उद्देश ।

4) पाठ्यक्रम विषयउठे (curriculum expert) :- पाठ्यक्रम
अर्थमे अडीउठे व्यक्ति पाठ्यक्रम विषयके ननुन ज्ञानके समझके
उद्देश्य अर्थमे करे पाठ्यक्रमके आकार्य अर्थ बनुन
करे सुनेके आकार्य करे, उद्देश्य पाठ्यक्रम मूल्यांकनके
पाठ्यक्रम विषयउठे व्यक्ति जन अर्थमे प्रयोजनकी उद्देश्य
अर्थमे करेके समझन, उन्हे पाठ्यक्रम विषयउठे
पाठ्यक्रम मूल्यांकनके सुझु सुपन उद्देश ।

৯) নীতি প্রনয়ন কারী (Policy makers) :- বিভিন্ন সংস্থার (U.G.C, CBSE, NCERT) নীতি প্রনয়ন কারী গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করে থাকে যা পাঠ্যক্রম মূল্যায়নে অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। সরকারি স্তরে কোন কোন ক্ষেত্রে এই নীতি প্রনয়ন কারী করা হয়েছে যে সকলে ভূমিকা পালন করে মূল্যায়নে বিশেষ প্রয়োজনীয়। এই নীতি প্রনয়ন কারী ও এর একান্ত গুরুত্ব।

পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজনীয়তা আন্দোলন কয়?
(Need for the objectives of curriculum)

Ans

→ শিক্ষার উদ্দেশ্য নিশ্চিতভাবে নির্ধারিত করা ছাড়াও কোন কোন উদ্দেশ্য দ্বারা কোন কোন প্রকারে হবে তাও পূর্ণ নির্দেশ পাওয়া সম্ভব নয়, এখন উদ্দেশ্য একত্র নির্ধারিত হয়ে তাই এখন শিক্ষাবিদরা উল্লিখিত পাঠ্যক্রম তৈরি করে আসেন, শিক্ষার উদ্দেশ্য এবং পাঠ্যক্রম তাই দুই বিষয়কে সামান্য বেয়ে পাঠ্যক্রমকে (curriculum) কে শিক্ষার বিষয় অনুযায়ী বিশেষায়ণ করা করা হয় এবং বিষয়ভিত্তিক (subject wise) কোর্স তৈরি করা হয়, অর্থাৎ উদ্দেশ্য ভিত্তিক বিষয়বস্তু, শিক্ষার পদ্ধতি এবং মূল্যায়ন প্রকার অগ্ৰাহ্যি সাথে প্রত্যাভিত্যে জড়িত, প্রকৃতপক্ষে উদ্দেশ্যই পাঠ্যক্রমের গতি আবে এবং শিক্ষামূলক প্রচেষ্টার গণ্য নির্ধারণ করে, তাই পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজন আছে। এছাড়া যে সময় দিক থেকে উদ্দেশ্য প্রয়োজনীয়তা আছে তা হল -

- > কর্ম সম্পাদনে সুস্থ প্রদান করার ক্ষেত্রে পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজনীয়তা রয়েছে।
- > কর্ম প্রচেষ্টাকে অর্থকর করে তোলার ক্ষেত্রে এবং সামাজ্যের পরিমিত সম্পদে সন্তোষ করে তোলার জন্য পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজন আছে।
- > কর্ম সম্পাদনের আর্থিক পক্ষ নির্দেশ করার ক্ষেত্রে উদ্দেশ্য প্রয়োজন আছে।
- > পাঠ্যক্রম প্রস্তুতের স্থানীয় সমাধান করার জন্য পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজন আছে।
- > পাঠ্যক্রম পরিচালনার ক্ষেত্রে সংগতি আনয়নে উদ্দেশ্য প্রয়োজন আছে।
- > শিক্ষামূলক কার্যাবলীর প্রকৃতি নির্ধারণ করার জন্য ও শিক্ষামূলক কাজ কর্মকে কাঙ্ক্ষিত পথে পরিচালনার ক্ষেত্রে নির্দেশনা দানের জন্য পাঠ্যক্রমের উদ্দেশ্য প্রয়োজন।
- > পাঠ্যক্রমের প্রকৃত আভিভূতা স্থানকে জ্ঞানকরন ও বিলম্ব করলে সামান্য করার জন্য ও উদ্দেশ্য প্রয়োজন।

> ଅନ୍ତରୀକ୍ଷିକ ବିଷୟ ବସ୍ତୁରେ ସର୍ଜନ ହେବେ ପ୍ରାଥମିକ ବିଷୟ ବସ୍ତୁକୁ ନିର୍ବାଚନ କରାଯିବ ଆତ୍ମୀୟ କଥା, କ୍ଷେତ୍ର ଓ ମାଧ୍ୟମର ଓପେଲ୍ୟୋର ପ୍ରୟୋଜନ ।

> ବିଭିନ୍ନ କ୍ରମର ମାଧ୍ୟମର ଅର୍ଥ ସମଗ୍ର ଆବିନ କରାଯିବ ଆତ୍ମୀୟ କଥା ଜଳ ଓ ଓପେଲ୍ୟୋର ପ୍ରୟୋଜନ ହେବେ ।

> ବିଷୟବସ୍ତୁର ଗଢ଼ିବା କରାଯିବ ସେ ତା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରାଯିବ ଆତ୍ମୀୟ କଥା ଏବଂ ଅନୁସନ୍ଧାନ ବିଷୟବସ୍ତୁ ବିଶ୍ଳେଷଣ (content analysis) କରାଯିବ ଆତ୍ମୀୟ କଥା ଜଳ ଓ ମାଧ୍ୟମର ଓପେଲ୍ୟୋର ପ୍ରୟୋଜନ ହେବେ ।

> ମାଧ୍ୟମର ପ୍ରକାର ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରାଯିବ ଏବଂ ମଧ୍ୟ ଆତ୍ମୀୟ କଥା କ୍ଷେତ୍ର କରାଯିବ ଅନୁସନ୍ଧାନ ଅନୁସନ୍ଧାନ ନିର୍ବାଚନ କରାଯିବ ସେ ତା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରାଯିବ ଜଳ ଓ ଏବଂ ପ୍ରୟୋଜନୀୟତା ଅନୁସନ୍ଧାନ ।

ଓପେଲ୍ୟୋର ଭିତ୍ତି ଅନୁସନ୍ଧାନ ଅନୁସନ୍ଧାନ ନିର୍ବାଚନ କରାଯିବ ସେ ତା ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ କରାଯିବ ଜଳ ଓ ଏବଂ ପ୍ରୟୋଜନୀୟତା ଅନୁସନ୍ଧାନ ।

